

है, इसकी सहायता से कैचअप भी बनाई जाती है, इसका पौधा डेढ़-दो फीट से ऊँचा नहीं होता।

टमुकी स्त्री. (देश.) दे. टमकी।

टर स्त्री. (अनु.) 1. कटु शब्द 2. मेंढक की बोली।

टरकना अ.क्रि. (देश.) हट जाना, चला जाना, खिसक जाना, टल जाना मुहा. टरक देना- चुपचाप चला जाना, चुपचाप हट जाना।

टरकाना स.क्रि. (देश.) 1. हटा देना, खिसका देना 2. किसी को बहाना करके टाल देना, चलता करना। प्रयो. उसने अपने देनदारों को टरका दिया।

टरकी पुं. (तुर्की) 1. एक प्रकार का मुर्गा जिसकी चोंच के नीचे गले में लाल झालर होती है 2. एक देश का नाम-तुर्की।

टरटराना स.क्रि. (देश.) 1. बक बक करना, अंडबंड बकना, बेमतलब बात करना 2. टर टर करना।

टरना स.क्रि. (देश.) दे. टलना।

टर पुं. (अनु.) 1. मेंढक 2. टराने वाला व्यक्ति 3. कौआ।

टर टर स्त्री. (अनु.) मेंढक की ध्वनि, बेमतलब की बात, बकवाद।

टरा वि. (अनु.) 1. टर-टर करने वाला 2. उजड़, धृष्ट, कटुवादी, घमंडी, अविनीत।

टराना अ.क्रि. (अनु.) 1. घमंड से बात करना 2. चिढ़कर बोलना 3. बेमतलब की बात करना 4. कटु वचन कहना।

टल पुं. (तत्.) घबराहट।

टलन स्त्री. (तत्.) घबराहट।

टलना अ.क्रि. (तत्.) 1. खिसकना, सरकना, अपने स्थान से हटना मुहा. बात से टलना- मुकर जाना, प्रतिज्ञा पूरी न करना 2. आपत्ति या संकट मिटना 3. स्थगित होना, मुलतवी होना।

टलमल वि. (देश.) हिलता हुआ।

टलवा पुं. (देश.) बैल।

टलाटली स्त्री. (देश.) टालमटोल, बहानेबाजी।

टल्ला पुं. (अनु.) धक्का, ठोकर, आघात।

टल्लेनवीसी स्त्री. (देश.+फा.) टाल-मटोल।

टवर्ग पुं. (तत्.) ट से ण व्यंजनों का वर्ग।

टवाई स्त्री. (तद्.) आवारागर्दी, बेकार घूमना।

टस स्त्री. (अनु.) किसी भारी चीज के हटने की आवाज, फटने की आवाज मुहा. टस से मस न होना- जरा सा भी न खिसकना या हिलना, अपनी बात पर अड़े रहना, कहने-सुनने का प्रभाव न पड़ना।

टसक स्त्री. (देश.) टीस, कसक, रुक-रुककर उठने वाली पीड़ा।

टसकना अ.क्रि. (देश.) 1. अपनी जगह से हिलना, खिसकना 2. टीस मारना, टीसना 3. प्रभावित होना।

टसकाना स.क्रि. (देश.) किसी भारी चीज को खिसकाना, अपनी जगह से हिलाना, सरकाना।

टसर पुं. (तद्.) 1. एक प्रकार का कड़ा और मोटा रेशम 2. टसर का कपड़ा।

टसुआ पुं. (देश.) आँसू, अश्रु मुहा. टसुए बहाना- आँसू बहाना।

टहक स्त्री. (देश.) 1. जोड़ों की पीड़ा 2. रह-रहकर होने वाली पीड़ा, टीस, कसक।

टहकना अ.क्रि. (देश.) टीस मारना, रह रह कर पीड़ा होना, टसकना।

टहनी स्त्री. (देश.) वृक्ष की पतली और लचीली उपशाखा। प्रयो. नीम की टहनी।

टहल स्त्री. (देश.) सेवा, सुश्रूषा मुहा. टहल बजाना- सेवा करना, किसी की नौकरी करना।

टहलना अ.क्रि. (देश.) 1. धीरे-धीरे चलना मुहा. टहल जाना- खिसक जाना, चुपचाप चले जाना 2. हवा खाना, सैर करना 3. सेवा-सुश्रूषा करने वाली दासी, लौंडी, नौकरानी।

टहलाना स.क्रि. (देश.) 1. धीरे-धीरे चलना 2. घुमाना, फिराना 3. सैर कराना, हवा खिलाना।